यहून्ना बपतिस्मा देने वाले ने लोगों को पश्चात्ताप के लिये बुलाया

जो बच्चों को पढ़ाते हैं वह पढ़ें अध्ययन आर 2 ब

प्रार्थना: "प्रिय पिता जो स्वर्ग में है हमें यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की तरह बनने में साहयता करें ताकि हम पापियों को पश्चात्ताप करने और प्रभु यीशु की तरफ लाने में सहायता कर सकें। और उन विश्वासियों को बचावे में सहायता कीजिये जो पापो के अंदर लिप्त हैं।"

1. प्रभु वचन के लिये अपने हृदयों को तैयार कीजिये

लूका 3:1-18 में खोजिये कि कैसे यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने हज़ारों पापियों को पश्चात्ताप के लिये प्रेरित किया।

- जब वे लोग जो सोचते थे कि वे अच्छे हैं बपतिस्मा लेने आये तब यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले ने उनसे क्या कहा?
- जब पापी अपने पापों का अंगीकार करते हुए आये तब यूहन्ना ने उनसे क्या कहा?

लूका 15:1-10 जहाँ खोई हुई भेड़ का दुष्टांत पाया जाता है उसमें खोजिये कि स्वर्गदूत स्वर्ग में आनन्दित क्यों होते हैं।

कुछ चरवाहे पापियों को पश्चात्ताप के लिये बल द्वारा डराते और धमकाते हैं। परन्तु प्रभु यीशु इस कहानी के द्वारा हमें एक सरल मार्ग बताते हैं उस काम को करने के लिये जो वह चाहते हैं।

- कल्पना कीजिये कि आप वह भेड़ हैं जो खोगई है पर एक अच्छे चरवाहे ने आपको खोज लिया है।

- वह कोमलता से आपको अपने हाथों में उठाता है जब वह आपको झुण्ड में वापिस ले जाता है, अपने लोगों के बीच।
- आप डरते है कि वह आपको डाँटेगा और सज़ा देगा पर उसका चेहरा सिर्फ प्रेम और आनन्द दिखाता है।
- आज या कल हम सब वापिस आ जाते हैं, परन्तु खोई हुई भेड का मूल्य प्रभु यीशु के लिये अधिक है।
- चरवाहा अपनी बाकी भेड़ों को छोड़ने के लिये तैयार हो जाता है जब तक कि वह उस गलती करने वाली भेड़ को खोज कर वापिस नहीं ले आता।

- यीशु हमें तब भी प्रेम करता है जब हम भटक जाते हैं। वह हमें इतना प्रेम करता है कि वह हमारे लिये मरा। रोमियो 5:8
- सबसे आवश्यक बात है पापियों को पश्चाताप के लिये निमंत्रण देना और भटके हुये विश्वासियों को लाना और उन्हें प्रेम करना, और उनके खिलाफ अनुशाशनात्मक कार्यवाही करना।
- अगर आप एक बच्चे को क्रोध से अनुशाशित करते हैं तो वह आपको क्रोध में ही उत्तर देगा। प्रगट प्रेम से अनुशासित करें तो वह सीखेगा।
- अगर झुण्ड का कोई एक सदस्य भटक जाता हे तो आपका उद्देश्य है उसको अनुशासित करना और वापिस लाना न कि उसे दंड देना।
- पौलुस प्रेरित ने गलतियों 6:1 में कहा है भाईयो कोई प्रगट पाप में पाया जाता है तो आप जो आत्मिक हैं उन्हें नम्रता से फेर कर लाना चाहिये। परन्तु पहले अपने आपको जाँचिये वरना आप परीक्षा में पड़ सकते हैं।
- कई बार हमें किसी को वापिस लाने के लिये सख्त कदम उठाने पड़ते हैं पर हमेशा हमें उसे प्रेम के साथ करना चाहिये।

2. सहकर्मियों के साथ सप्ताह में करने वाली गतिविधियों की योजना बनायें।

अपने मित्रों के पास जाइये जिन्हें मसीह की आवश्यकता है और उन्हें बताइये कि परमेश्वर उन्हें प्रेम करता है उनके पापों को क्षमा करता, और नया अनन्त जीवन जो कि पूर्ण पवित्रता और आनन्द से पूर्ण हो देना चाहता है। ,

किसी विश्वासी के पास जायें जो भटक गये हैं उन्हें उस तरह से फेर के लायें जैसा गलतियो 6:1 में कहा है।

- उन्हें प्रेम पूर्वक मार्ग से सहायता कीजिये जिससे कि वह अपने परिवर्तन को याद रख सकें।
- कोशिश करें खोज करने कि परमेश्वर उन्हें उनके पापों का एहसास कराये।
- कोशिश कीजिये कि वह परमेश्वर के उस बड़े प्रेम को समझ सकें।
- उनके साथ प्रार्थना कीजिये कि परमेश्वर उनके जीवन को परिवर्तन करे।

3. सहकर्मियों के साथ आने वाली आराधना की योजना बनायें।

उन गतिविधियों को चुनिये जो इस समय की आवश्यकताएँ और स्थानीय रिवाज़ों को पूर्ण करें।

लूका 3:1-18 मे पाई जातेवाले यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले की कहानी बताए या अभिनय करके दिखाए। भाग 1 मे क्या खोजा उसके विषय में प्रश्न पूछिये।

बतायें या खोई हुई भेड़ के दुष्टाँत को अभिनय करके दिखायें। भाग 1 में से समझाइये वह मार्ग जो यीशु चाहता है कि हम लोगों को पश्चात्ताप के लेये बुलायें और भटकी हुई भेडों को सही मार्ग पर लायें।

ये समझाये कि उद्धार दिलाने में मनुष्य क्या करता है और परमेश्वर क्या करता है।

- प्रत्येक को पश्चात्ताप करना चाहिये जैसे कि हृदय परिवर्तन और परमेश्वर पर विश्वास रखना चाहिये (यूहन्ना 3:1-8)
- परमेश्वर हम विश्वासियों को क्षमा करता है और हमेशा के लिये हम पर अपने बच्चे होने की मुहर लगा देता है और हमारे आत्मिक पुन:र्जन्म के लिये अपनी पवित्र आत्मा देता है। (इफिसियो 1:13-14)

प्रभु भोज के बारे में बताने के लिये लूका 3:4-7 पढ़िये जहाँ उन लोगों के विषय में वर्णन है जो

यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के पास अपने पापों का अंगीकार करते हुये आते थे।

ये समझाये कि ये उसकी तरह है जो हम विश्वासी प्रभु भोज लेने से पहले करते हैं, हम अपने आपको जाँचते हैं और अपने पापों का अंगीकार परमेश्वर के सम्मुख करते हैं 1 कुरिन्थियों 11:28

क्या बच्चों ने ज़क्कई का नाटक प्रस्तुत किया है। उन्होंने वे प्रश्न भी तैयार किये होंगे जो नाटक के समाप्त होने पर वह श्रोताओं से पूछेंगे।

हमारे पुन:र्जन्म में मनुष्यों का भाग और परमेश्वर का भाग समझाये।

- हमारा भाग: पश्चात्ताप (परमेश्वर पर अपनी क्षमा और हृदय परिवर्तन के लिये विश्वास रखना) रोमियो 12:2
- परमेश्वर का भाग: हमें नया जीवन प्रदान करके सदा के लिये अपने बच्चे बनाने की मुहर लगाना 1पतरस 1:3 इफिसियों 1:11-14
- पहले पढ़ें याकूब 2:14-23 पढ़िये और फिर पूछिये:
- याकूब ने कौन से दो प्रकार विश्वास के विषय में बताया है?
- पूछिये दो प्रकार के विश्वासों में क्या अंतर है? *(परमेश्वर वो विश्वास चाहता है जिसका परिणाम एक परिवर्तित जीवन और अच्छे कार्य हो। उस विश्वास से सावधान रहिये जो पश्चाताप के बिना आरम्भ होता है। याकूब ने बताया कि शैतान भी विश्वास करता है और कांपता है!)*
- कविता को पढ़ें शैतान नये चरवाहे के काम में कहता हैं (अगर तुम इस कविता का अनुवाद करोगे तो तुम इसकी मधुरता को बनाये नहीं रख सकते)

झूठ बोलने वाले ने निशाना साधा और तीर छोड़ा उसके विष में सूक्ष्म झूठ है।

इन अग्निमय नुकीले तीरों का संदेश कहाँ जाता है? "ये मत पूछो कि मसीह उनके हृदयों में बसता है!

केवल उसके अनुग्रह के वादे को याद रखें परमेश्वर के नियमों को भूल जायें,

अपने गिरजाघर के बैठने के स्थानों को कुछ भी कह कर भर लीजिये उनके सामने ये मत कहिये कि पश्चात्ताप करें और उसके बारे में जाने जो स्वर्ग से भेजा गया था।

नही दोष लगाने हैं और नहीं आंसू बहाने हैं, इन बातों का कानों की खुजली समझ कर आनन्द उठायें

फलरहित और खाली विश्वास भेंट चढ़ायें इस प्रकार मैं तुम्हें अपनी गोद में भर लूंगा!

लोगों से कहें की परमेश्वर ने उनकी सहायता कैसे की इसके विषय में गवाही दें

यहां पर एक जवान स्त्री के द्वारा उदाहरण है। "अनेक वर्षों तक मैं गुरूओं के पीछे गयी, संस्कृत मंत्र पढ़े और आश्रम में रही। अपना व्यक्तित्व बनाने के प्रयास में मैं करीब करीब मर ही गयी थी। एक दिन मुझे पता चला की मैं आशाहीन पापी हूँ, स्वयं को बचाने के लिए असमर्थ, और यीशु मुझसे प्रेम करता है और मेरा उद्धार कर सकता है। मैं ने शक्तिहीन देवताओं को छोड़ दिया, मेरे अविश्वास के पातक के लिए क्षमा मांगी, और अपना जीवन यीशु को दे दिया।"

एक साथ याद करें मरकूस 1:5

Copyright 2004 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net